Dainik Jagran 21-06-2026

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के समक्ष उठाया गैर शैक्षणिक ड्यूटी का मुद्दा

स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन ने भरमौर में डाक्टर राजेश शर्मा के समक्ष रखी बात

संवाद सहयोगी, जागरण ● भरमौर : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डाक्टर राजेश शर्मा ने शनिवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरमौर का दौरा कर शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण किया, छात्रों से सीधे संवाद स्थापित किया तथा उनकी पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और विभिन्न समस्याओं की जानकारी प्राप्त की।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने शनिवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरमौर के निरीक्षण के दौरान। उन्होंने कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद किया और शिक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया ● जागरण

निरीक्षण के दौरान डाक्टर शर्मा विभिन्न कक्षाओं में पहुंचे और विद्यार्थियों से उनकी शैक्षणिक गतिविधियों, परीक्षा तैयारी तथा विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के बारे में चर्चा की। उन्होंने छात्रों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षणिक वातावरण का भी आकलन किया।

इस अवसर पर स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन भरमौर के अध्यक्ष कृष्ण पखरेटिया ने शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष से मुलाकात कर शिक्षकों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मांग की कि बोर्ड परीक्षा, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) और चुनाव जैसी आवश्यक जिम्मेदारियों के अतिरिक्त अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने की व्यवस्था पर पुनर्विचार किया जाए, ताकि शिक्षक अधिक समय विद्यार्थियों की पढ़ाई और शैक्षणिक गतिविधियों को दे सकें।

इसके अलावा शिक्षकों ने बोर्ड परीक्षाओं, टेट और चुनाव ड्यूटी सहित अन्य कार्यों के लिए निर्धारित मानदेय का भुगतान समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। उनका कहना था कि कई बार मानदेय भुगतान में देरी होने से शिक्षकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शिक्षकों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुनने के बाद डाक्टर राजेश शर्मा ने उन्हें सकारात्मक आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि जो विषय शिक्षा बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। वहीं सरकार स्तर से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाकर समाधान का प्रयास किया जाएगा। शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों की वास्तविक समस्याओं को समझने के लिए ऐसे संवाद और निरीक्षण आवश्यक हैं।

शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष के इस दौरे को विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने सकारात्मक पहल बताते हुए स्वागत किया। स्थानीय शिक्षकों का मानना है कि इस तरह के संवाद से जमीनी स्तर की समस्याओं को शासन और प्रशासन तक पहुंचाने में मदद मिलती है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

Amar Ujala 21-06-2026

संस्कार और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. राजेश

संवाद न्यूज एजेंसी

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने डे-बोर्डिंग स्कूल भरमौर में लिया शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा

बोले- 21वें से तीसरे पायदान पर पहुंचा हिमाचल, विद्यार्थियों से संवाद कर किए कई सवाल

भरमौर (चंबा)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जनजातीय क्षेत्र भरमौर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक डे-बोर्डिंग स्कूल का दौरा कर शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया।

उन्होंने स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। स्कूल परिसर का निरीक्षण भी किया।

विद्यार्थियों से पढ़ाई, परीक्षाओं और भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्कूल प्रबंधन के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से पारदर्शी संवाद स्थापित करना है। स्कूल प्रबंधन ने कुछ समस्याएं भी बोर्ड अध्यक्ष के समक्ष रखीं।

उन्होंने कहा कि इनमें कुछ मुद्दे सीधे तौर पर बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते। वह एक मैसेंजर के रूप में इन समस्याओं को शिक्षा विभाग तक पहुंचाएंगे।

मुख्यमंत्री की ओर से स्कूलों में संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यपुस्तकों में विशेष विषय शामिल करने की योजना पर डॉ. शर्मा ने कहा कि बोर्ड ने इस दिशा में समिति का गठन किया है।

समिति की सिफारिशों के आधार पर मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारा जाएगा। प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। जब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश की कमान संभाली थी, तब राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल की शिक्षा रैंकिंग 21वें स्थान पर थी। आज प्रदेश तीसरे स्थान तक पहुंच चुका है।

उन्होंने कहा कि यदि दो केंद्र शासित प्रदेशों को अलग रखा जाए तो हिमाचल लगभग शीर्ष स्थान पर है। बहुत जल्द प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में देश में नंबर वन बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

भरमौर पहुंचे हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा को विद्यालयों में स्टाफ की कमी के बारे में जानकारी देती महिला। स्रोत : जागरूक पाठक

Transparency, values, and quality in education are our top priorities: Dr. Rajesh Sharma

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA JUN 20: Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education, visited the Government Senior Secondary Day-Boarding School in the tribal area of Bharmour on Saturday to take stock of academic activities. During the visit, he engaged in direct dialogue with the school management, teachers, and students, discussing various aspects of the education system. Dr. Sharma inspected the school premises and interacted with students, asking questions about their studies, examinations, and future plans. He stated that the Board aims to establish transparent communication between students and school management through both online and offline channels, ensuring that students receive a better academic environment and improved facilities. He added that the Board is continuously working to make the education system simpler and more student-friendly, thereby making the examination process smoother and more organized. During the visit, the school principal provided detailed information regarding the institution's achievements, academic activities, and various challenges. The school management also apprised the Board Chairman of certain issues. In response, Dr. Sharma noted that while some of these issues do not fall directly under the Board's jurisdiction, he would act as a liaison to convey these concerns to the Education Department so that effective steps could be taken to resolve them.Speaking on Chief Minister Thakur Sukhvinder Singh Sukhu's plan to incorporate special subjects into textbooks to promote value-based education in schools, Dr. Sharma mentioned that the Board has already constituted a committee for this purpose. The implementation of the Chief Minister's ambitious scheme will be carried out based on the committee's recommendations. He emphasized that education should not be limited to academic knowledge alone; the inclusion of moral values and cultural ethos is equally essential. Dr. Rajesh Sharma remarked that the state has witnessed remarkable improvements in the education sector. He noted that when Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu took charge, Himachal Pradesh ranked 21st nationally in education, but today, the state has risen to the third position. Expressing confidence, he stated that if the two Union Territories are excluded, Himachal ranks near the top, and the state will soon move towards becoming number one in the country in the field of education. He remarked that the shared goal of the government, the Education Department, and the Education Board is to provide quality education to every student in the state. To this end, the process of continuous improvement and innovation will be sustained, enabling Himachal Pradesh to scale new heights in the education sector.

डिजिटल अख़बार
पहली नज़र
सबसे पहले, सबसे तेज
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ
20 जून, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com

भरमौर से डॉ. राजेश शर्मा का बड़ा संदेश : शिक्षा में पारदर्शिता, संस्कार और गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

21वें से तीसरे पायदान तक पहुंचा हिमाचल : भरमौर दौरे पर शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष का बड़ा दावा

पहली नजर ब्यूरो, भरमौर

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शनिवार को जनजातीय क्षेत्र भरमौर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक डे बोर्डिंग स्कूल का दौरा कर शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करते हुए शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। डॉ. राजेश शर्मा ने स्कूल परिसर का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से रू-ब-रू होकर उनकी पढ़ाई, परीक्षाओं तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल-जवाब किए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्कूल प्रबंधन के बीच ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से पारदर्शी संवाद स्थापित करना है, ताकि छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। उन्होंने कहा कि बोर्ड लगातार शिक्षा व्यवस्था को सरल और छात्र हितैषी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। जिससे परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बनाया जा सके।

दौरे के दौरान स्कूल प्राचार्य ने संस्थान की उपलब्धियों, शैक्षणिक गतिविधियों तथा विभिन्न चुनौतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। स्कूल प्रबंधन द्वारा कुछ समस्याएं भी बोर्ड अध्यक्ष के समक्ष रखी गई। इस पर डॉ. शर्मा ने कहा कि इनमें से कुछ मुद्दे सीधे तौर पर शिक्षा बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते, लेकिन वह एक मैसेंजर के रूप में इन समस्याओं को शिक्षा विभाग तक पहुंचाने का कार्य करेंगे, ताकि उनके समाधान की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा सकें।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा स्कूलों में संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यपुस्तकों में विशेष विषय शामिल करने की योजना पर बोलते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा बोर्ड ने इस दिशा में एक समिति का गठन कर दिया है। समिति की सिफारिशों के आधार पर मुख्यमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें नैतिक मूल्यों और संस्कारों का समावेश भी आवश्यक है।

जल्द प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में नंबर वन बनने की दिशा की ओर अग्रसर

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश की कमान संभाली थी, तब राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश की शिक्षा रैंकिंग 21वें स्थान पर थी, लेकिन आज प्रदेश तीसरे स्थान तक पहुंच चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यदि दो केंद्र शासित प्रदेशों को अलग रखा जाए तो हिमाचल लगभग शीर्ष स्थान पर है और बहुत जल्द प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में देश में नंबर वन बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना लक्ष्य

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि सरकार, शिक्षा विभाग और शिक्षा बोर्ड का साझा लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। इसके लिए निरंतर सुधार और नवाचार की प्रक्रिया जारी रहेगी, ताकि हिमाचल प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में नई बुलंदियों को छू सके।